बुंदेलखंड में सौर ऊर्जा निकासी के लिए 620 करोड़ रुपये मंजूर

लखनऊ। बुंदेलखंड के चित्रकूट, बांदा और निकटवर्ती क्षेत्रों में 619.90 करोड़ रुपये की 800 मेगावाट सौर परियोजनाओं से उत्पादित बिजली की निकासी के लिए 400/220 केवी का सब स्टेशन व लाइन निर्माण के प्रस्ताव को कैबिनेट ने अनुमोदित किया है।

शुक्रवार को मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की अध्यक्षता में आयोजित प्रदेश कैबिनेट की बैठक में इस प्रस्ताव को मंजूरी दी गई। इस परियोजना के पूरा होने पर बुंदेलखंड क्षेत्र के चित्रकूट, बांदा और आसपास के क्षेत्रों को समुचित बिजली दी जा सकेगी। इससे इस क्षेत्र में औद्योगिक, वाणिज्यिक और आवासीय गतिविधियों में तेजी आएगी। इस परियोजना का काम भारत सरकार की ग्रीन एनर्जी कारिडोर-दो योजना के तहत होगा। यूपी को ऊर्जा के क्षेत्र में आत्मनिर्भर बनाने के लिए प्रदेश सरकार ने सौर ऊर्जा पर ध्यान केंद्रित किया है। जिसके तहत बुंदेलखंड क्षेत्र में 4000 मेगावाट क्षमता की सौर ऊर्जा परियोजनाओं को स्थापित किए जाने का काम किया जा रहा है। इन परियोजनाओं से उत्पादित बिजली की निकासी के लिए ट्रांसमिशन उपकेंद्रों की स्थापना और विद्युत लाइनों का निर्माण भी किया जाना है। सौर ऊर्जा का उत्पादन बढ़ने पर बिजली विभाग को प्रदेश में सप्लाई करने के लिए सस्ती बिजली मिल सकेगी। जिससे उपभोक्ताओं को भी सस्ती बिजली दिए जाने का रास्ता बनेगा।

नोएडा-ग्रेनो एक्वा मेट्रो लाइन का विस्तार होगा

कैबिनेट की बैठक में यह निर्णय लिया गया है कि नोएडा-ग्रेटर नोएडा के बीच मेट्रो रेल सेवा के एक्वा लाइन का विस्तार किया जाएगा। बैठक में इस प्रस्ताव को मंजूर कर लिया गया है। सेक्टर-51 मेट्रो स्टेशन से ग्रेटर नोएडा के नॉलेज पार्क-5 तक यातायात को और सुगम बनाने के लिए यह निर्णय लिया गया है।